दैनिक भास्कर

इंदौर . मंगलवार 30 सितंबर, 2014

जागरूक रहेंगे तो नहीं होंगे साइबर क्राइम के शिकार

मालवा वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा आयोजित साइबर क्राइम प्रशिक्षण में आईजी ने दी जानकारी

साइबर क्राइम से बचने की जानकारी देते पीआरटीएस के डायरेक्टर वरुण कपूर।

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कम्प्यूटर और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही साइबर क्राइम में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे निपटने के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता। जैसे हम असली दुनिया में खुद की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं, ठीक उसी तरह वर्चुअल वर्ल्ड में भी खुद को सुरक्षित रखने के लिए सावधानी जरुरी है। कई बार लोग अनजाने में साइबर क्राइम कर बैठते हैं या इसका शिकार हो जाते हैं। अगर हम जागरूक होंगे तो इसके शिकार नहीं होंगे।

यह बात पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) के डायरेक्टर व आईजी वरुण कपूर ने कही। वे सोमवार को एक होटल में साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे 'सहयोग' अभियान के तहत जानकारी दे रहे थे। मालवा वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में आईजी कपूर ने वरिष्ठ नागरिकों को सायबर अपराध क्या है, इन अपराधों से कैसे बचा जाए और वर्चुअल दुनिया में कैसे सुरक्षित रहें इसकी जानकारी दी। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया। उन्हें पासवर्ड बनाने व उसको सुरक्षित रखने, सायबर बुलिंग-स्टॉकिंग एवं आई.टी. एक्ट, आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में पूर्व कमिश्नर बीजे हीरजी, इंदौर के प्रथम कलेक्टर नारायण सिंह, मंच के सचिव व एयरटेल मप्र-छग के पूर्व प्रमुख वीके भल्ला, स्कवॉडन लीडर आरएस त्यागी, जस्टिस इंद्राणी दत्ता, कर्नल नरेंद्र बजाज, आकाशवाणी के पूर्व निदेशक बीएन बोस सहित मंच के अन्य सदस्य मौजूद थे। सभी सदस्यों ने पीआरटीएस के इस अभियान की सराहना करते हुए आईजी कपूर को प्रशंसा पत्र भी दिया।